UTSAV FOUNDATION

HINDI CURRICULUM 2025-2026 Class 10th

किताब का कोड: 201

किताब का नाम : माध्यमिक पाठ्यक्रम भाग- 1

माध्यमिक पाठ्यक्रम भाग- 2

भूमिका

भाषा बहता नीर है, इस तथ्य से सभी परिचित हैं। जैसे-जैसे समय बदलता है, मनुष्य की आवश्यकताएँ बदलती हैं| उसी के साथ मनुष्य का व्यवहार बदलता है, विचारधारा बदलती है, भावनाँ बदलती हैं। इन सभी के बदलाव से भाषा में भी परिवर्तेन आना स्वाभाविक ही है। नवीन सूचना प्रौदयोगिकी के तीव्रता से हो रहे विकास के कारण आज सभी कुछ तेज़ी से बदल रहा है। हिंदीभाषा में टेरों नए शब्द, पारिभाषिक शब्द और संकल्पनाओं का आगमन हुआ है। हिंदी भाषी सामान्य व्यक्ति नई सूचना-क्रांति के परिणामस्वरूप आए अनेक शब्दों का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर रहा है। इसके कारण साहित्य-लेखन में भी रचनाकारों की विचार-प्रक्रिया परिवर्तितहु ईहै। हिंदीभाषा भारत के जनतंत्र की आकाक्षाओं की पूतिकरती है। इसी भाषा से देश के लोगों के बीच संप्क स्थापित होता है। हिंदी भाषा का माध्यमिक स्तर का यह पाठ्यक्रम इन सभी बातों को ध्यान में रखते हु एतैयार किया गया है।

औचित्य

यह जीवन और जगत की विभिन्न आवश्यकताओं में उपयोगी सिद्द हो, इसी बात का ध्यान रखते हु एइसे अधिक

व्यावहारिक, भाषा कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना) आधारित और दैनिक जीवन से जुड़ा हुआ बनाने का प्रयास किया गया है। हम जीवन में मौखिक भाषा का सर्वाधिक प्रयोग करते हैं, अतः इस पाठ्यक्रम में सुनना हैं, और बोलना कौशल पर विशेष बल दिया गया है। व्याकरण कहीं पाठ्यक्रम को अधिक बोझिल न बना दे इसके को लिए इसे पाठ-सामग्री में ही समाहित किया गया है। इस रूप में यह पाठ्यक्रम अधिक व्यावहारिक तथा अन्य पाठ्यक्रमों से भिन्न और उपयोगी है।

पूर्व अपेक्षाएँ

इस पाठ्यक्रम मे प्रवेश से पूर्व शिक्षार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वहः सामान्य स्तर की गदय और काव्य रचनाएँ औसत गति से पढ़ सके;

- बोलने और लिखने में त्रुटिहीन 'वाक्य-संरचना का प्रयोग कर सके;
- सामान्य शब्दों की वर्तनी ठीक तरह से लिख सके;
- सामान्य भाषा में अपनी बात बोलकर या लिखकर अभिव्यक्त कर सके;
- हिंदीके लगभग **5000** शब्दों की पहचान कर सके और **3500** शब्दों का अपनी भाषा में प्रयोग कर सके ।

“उद्देश्थ”

पाठ्यक्रम के सामान्य तथा विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं**:.**

सामान्य उद्देश्य

- इस पाठ्यक्रम को पूरा कर लेने के बाद शिक्षाथीं
- भाषिक तत्त्वों तथा हिंदी के भाषिक कौशलों की क्षमता का विकास कर उनका प्रयोग कर सकेंगे**;**
- हिंदी के माध्यम से अन्य विषयों के अध्ययन से विभिन्न विषयों का वर्णन कर सकंगे**;**
- व्यावहारिक तथा व्यावसायिक संदभों में हिंदीका सटीक प्रयोग कर सकेंगे**;**
- साहित्य को पढ़कर उसका उल्लेख व समीक्षा कर सकंगे**;**
- विभिन्न मानवीय मूल्यों तथा सदपृ वृत्तियोंका विश्लेषण कर सकेंगे**;**
- भारतीय सभ्यता और संस्कृति के गुण-दोषों को स्पष्ट कर सरकेंगेः
- विभिन्न विषयों**,** संदर्भो और प्रसंगों पर स्वतंत्र रूप से चिंतनःमनन कर मौलिक रूप से अपनी बात प्रस्तुत
- कर सकेंगे**;**
- हिंदी में स्वतंत्र रूप से अपने भावों तथा विचारों को मौखिक तथा लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकंगे।

विशिष्ट उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम को पूरा कर लेने के बाद शिक्षार्थियों में भाषा के निम्नलिखित कौशलों का विकास होगाः

सुनना

- धैर्य और एकाग्रता के साथ सुनकर अपने विचार व्यक्त कर सकेंगेः
- सुनने के शिष्टाचार का पालन कर उसको प्रकट कर सकंगे**;**
- श्रुत विचारों**,** तथ्यों तथा मुख्य बातों का विश्लेषण कर सकंगे**;**
- श्रुत भावों**,** विचारों और तथ्यों के बीच संबंध स्थापित कर तुलना कर सकंगे**;**
- श्रुत विचारों**,** भावों के आधार पर निष्कर्ष निकाल कर प्रस्तुत कर सकेंगे**;**

बोलना

- अपनी बात को शुद तथा बोधगम्य उच्चारण के साथ उचित यति-गति**,** बलाघात**,** अनुतान सहित बोल सकंगे**;**
- विभिन्न सामााजक सदभा म अपनां बात सहज ढग स कह सकग;
- अवसरानुकूल औपचारिक तथा अनौपचारिक (निकट, अति निकट) शिष्ट भाषा का प्रयोग कर सकेंगे;
- अपनी बातों को तर्कसहित प्रस्तुत कर सकैगे;
- अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे.
- विभिन्न तथ्यों, विचारों और भावों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकेगे।

पढ़ना

- विभिन्न प्रकार की पाठ्य सामग्री **(**गदय तथा कविता**)** का वाचन उचित यति**-**गति से कर सकंगे**;**
- अपठित सामग्री का द्ुतगति से वाचन कर सकंगे तथा मौन वाचन की क्षमता का विकास कर सकेंगे**;**
- पठित सामग्री में निहित मुख्य विचारों**,** तथ्यों तथा घटनाओं की पहचान कर सकेंगे और उनके बीच तारतम्य स्थापित कर सकेंगे**.**
- पठित सामग्री में आए शब्दों**,** उक्तियों**,** मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रसंगानुकूल भाव**-**ग्हण कर उनका प्रयोग सकंगे**;**

लिखना

- सार**-**लेखन **(**समाचार**-**पत्र**.** पत्र आदि का**)** कर सकेंगे।
- सामग्री को सुसंबद्ध तथा क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे**:;**
- अपने विचारों और भावनाओं को स्पष्ट और प्रभावी रूप में व्यक्त कर सकेंगे**:**
- व्यवहारोपयोगी तथा व्यवसायपरक शब्दों**,** मुहावरों**,** पदबंधों का उपयुक्त और प्रभावी प्रयोग कर सर्केगे**;**
- मानक वर्तनी में शब्दों**-**वाक्यों का प्रयोग करते हु एअपनी बात लिख सकेंगे**;**
- विराम आदि चिह्नों का सही प्रयोग कर सकेंगे**:**

व्याकरण तथा व्यावहारिक भाषा-प्रयोग

- व्याकरण के उपयोगी बिं दुओंका बोध और प्रयोग कर सकेंगे**;**
- व्याकरणसम्मत भाषा का प्रयोग कर सकेंगे**:**
- विभिन्न प्रकार के संचार माध्यमों**-** पत्र**-**पत्रिकाएँ आदि का संक्षिप्त परिचय दे सकेंगे**;**
- संप्रेबण की आधुनिक तकनीकों की भाषा का उचित प्रयोग सीख का प्रसतुतसकेगे**;**
- हिंदी की विविध भूमिकाओं**,** संपर्क भाषा**,** राष्ट्रभाषा और राजभाषा का उल्लेख कर सकेगे;

क्षेत्र तथा रोजगार के अवसर

इस विषय में रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं जिनमे से कुछ इस प्रकार है**:**

1. **विदयालयी शिक्षण**
2. **महाविदयालयी शिक्षण**
3. **विश्वविदयालयी शिक्षण**
4. **पत्रकारिता**
5. **जनसचार**
6. **अनुवाद**
7. **मीडिया इत्यादि**

शैक्षणिक योग्यता

आयु: कम से कम **14** वर्ष

योग्यता: पढ़ने तथा लिखने का सामान्य जान

अध्ययन का माध्यमः हिंदी

अध्ययन योजनाः सिद्धान्त तथा अनुशिक्षक मूल्यांकन पत्र**।**

मूल्याकन योजना

सिद्धान्तः **100** अंक

अनुशिक्षक अंकित मूल्यांकन पत्रः सिदान्त का **20%**

पाठयक्रम का परिचय

प्रस्तुत पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा के चारों कौशलों**:**सुनना**,** बोलना**,** पढ़ना और लिखना पर अनुपात के अनुसार बल दिया गया है। व्याकरण तथा भाषा**-**प्रयोग चूँकि सभी कौशलों पर अधिकार प्राप्त करने के लिए समान रूप से आवश्यक है**,** अतः संदर्भ के अनुसार उनका शिक्षण किया गया है तथा उनका मूल्यांकन भी होगा। भाषा**-**कौशल के दवारा ही भाषा पर अच्छा अधिकार प्राप्त किया जा सकता है।

पाठ्यक्रम का विवरण

सुननाः समय 10 घंटे

लक्ष्यः इस इकाई का उद्देश्य सुनकर भाषा का अर्थ ग्हण करने की क्षमता का विकास करना है।

इकाईः 1. हिंदीध्वनियों का शुद् उच्चारण**,** बलाघात**,** स्वराघात**.,** अनुतान सुनना।

2. वार्तालाप, भाषण वक्तव्य, प्रश्न, तर्कसहित उत्तर सुनना।

बोलनाः समयः 10 घंटे

लक्ष्यः इस इकाई का उद्देश्य अपने विचार स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने और स्थिति के अनुरूप अपनी बात कहने के कौशल का विकास करना है।

इकाईः 1. हिंदी ध्वनियों का शुदध उच्चारण**,** बलाघात**,** स्वराघात**,** अनुतान के साथ बोलने का कौशल।

2. सामान्य स्थिति (औपचारिक तथा अनौपचारिक) में वार्तालाप, अपना परिचय देना, भाषा, वक्तव्य, प्रश्न करना, विचार रखना तर्क (पक्ष तथा विपक्ष में) प्रस्तुत करना

संवाद में भूमिका निर्वाह, भाव के अनुक्ल कविता का वाचन, कथन तथा विवरण.

साक्षात्कार, मंच संचालन, कहानी-वाचन का कौशल विकसित करना।

पढ़ना अकः 45 समयः 50 घंटे

लक्ष्यः इस इकाई का उद्देश्य मुद्रित तथा हस्तलिखित सामग्री का मुखर तथा मौन वाचन कर अरथगरहण की क्षमता का विकास करना है। जीवन में मुख्यतः भाषा के दो रूपों में सामग्री शिक्षार्थी क सामने आती है। पहला भाषा का काव्य-रूप तथा दू सरा गदय-रूप।

इकाई: कविता का पठन कविता के विविध रूपों से परिचय, केंद्रीय भाव, सराहना तथा काव्यगत विशेषताओं का अध्ययन। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए निम्नलिखित कवियों की रचनाएँ पाठ्यसामग्री में दी गर्ड हैं।

कबीर रहीम, वृंद मैथिलीशरण गुप्त, जयशकर प्रसाद, केदारनाथ अग्रवाल. नागार्जुन, भवानी प्रसाद मिश्र, निर्मला पुतुल और बालचंद्रन चुल्लिक्काड।

बहु-प्रयुक्त छंद, अलकार का संदभीनुसारशिक्षण।

गदय का पठन, गदय की विविध विधाओं का परिचय, व्याख्या, शैलीगत विशेषताओं का परिचय कराते हु एशिक्षाथियों को अपठित गदय के पठन की ओर उन्मुख किया गया है।

कहानी, सस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, फीचर, निबंध, पत्रकारिता, विज्ञान-लेख के साथ-साथ व्याकरण तथा भाषा-प्रयोग के निर्धारित बिंदुआंका संदर्भानुसार शिक्षण।

लिखना अंकः **35** समयः **40** घंटे

लक्ष्यः इस इकाई का उद्देश्य शिक्षाथियों को विविध प्रकार के लेखन -कौशल में सक्षम बनाना है, ताकि वे जीवन में आवश्यकता के अनुसार प्रयोजनपरक तथा अभिव्यक्तिपरक प्रभावी लेखन कर सकें।

लक्ष्य: प्रयोजनपरक

- समाचार-लेखन
- पत्र-लेखन (औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र)

  व्यावसायिक पत्र, संपादक के नाम पत्र

- अभिव्यक्तिपरक

  सार-लेखन

  निबंध-लेखन

व्याकरण तथा व्यावहारिक भाषा-प्रयोग: अंक: **20** समयः **20** घंटे

लक्ष्यः इस इकाई का उद्देश्य शिक्षार्थी को व्याकरण के विविध बिंदुओंका बोध कराना तथा उनका संदर्भ

के अनुसार भाषिक प्रयोग कराना है, जिससे वेशुद तथा उपयुक्त भाषा के प्रयोग में दक्षता प्राप्त कर

सके।

इकाई:

- विभिन्न रूपों में हिंदीभाषा की स्थिति- राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपरक भाषा।
- भाषा का मानक रूप, लिपि, वर्ण-व्यवस्था, विराम चिह्न आदि।
- शब्द-रचना- उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास।
- शब्द प्रकार- तत्सम 'तद्भव देशज़ज. आगतः पर्याय विलोम अनेकाथेकः; अनेक शब्दों के लिए एक शब्द रूप-आकार
- में एक समान शब्दों में अंतर।
- वाक्य-सरचना-कर्ता. कर्म. क्रिया. कारक: पदक्रम. अन्विति; सरल, सयुक्त तथा मिश्रित वाक्य-संरचनाएँ।
- मुहावरे-लोकोक्तियाँ।
- छंद-दोहा, सवैया, पद तथा मुक्त छद।
- अलकार-अनु प्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रषा, अन्योक्ति, दृष्टांत. मानवीकरण।

पाठ विवरण

- पाठ 1: बहादुर (कहानी)
- पाठ 2: दोहे (कविता)
- पाठ 3: गुल्लू (रेखाचित्र)
- पाठ 4: आह्वान (कविता)
- पाठ 5: रोबोट नर्सिंग होम (कहानी)
- पाठ 6: भारत की यह बहादुर बेटियां (फीचर)
- पाठ 7: आजादी (कविता)
- पाठ 8: चंद्र ग्रहण से लौटती बेर (कविता)
- पाठ 9: अखबार की दुनिया (गद्य)
- पाठ: 10 पढ़े कैसे (गद्य)
- पाठ 11: सर कैसे लिखे (लेखन)
- पाठ: 12 इसे जगाओ (कविता)
- पाठ 13: सुखी राजकुमार (कहानी)
- पाठ 14: बूढ़ी पृथ्वी का दुख (कविता)

- पाठ 15: अंधेर नगरी (नाटक)
- पाठ: 16 अपना पराया (वैज्ञानिक लेख)
- पाठ: 17 बीती विभावरी जगरी (कविता)
- पाठ 18: नाखून क्यों बढ़ते हैं (ललित निबंध)
- पाठ 19: शतरंज के खिलाड़ी (कहानी)
- पाठ: 20: उनको प्रणाम (कविता)
- पाठ 21: पत्र कैसे लिखे (लेखन)
- पाठ 22: निबंध कैसे लिखें (लेखन)
-

मूल्याकन-योजना

हिंदी भाषा के प्रस्तुत पाठ्यक्रम का मूल्यांकन इस प्रकार किया जाएगा:

1. बाह्य मूल्यांकन

मुख्य (लिखित) परीक्षा 100

2. आंतरिक मूल्यांकन

शिक्षक अंकित मूल्यांकन पत्र 20

परीक्षा केंद्र पर प्रत्येक विद्यार्थी की 100 अंकों की लिखित परीक्षा ली जाएगी।

शिक्षार्थी को एक निश्चित अंकित मूल्यांकन पत्र अध्ययन केंद्र से प्राप्त होंगे उन्हें हल करके अध्ययन केंद्र पर सुनिश्चित स्थिति तक वापस करना होगा

अंक वितरण

इकाई	**निर्धारित अंक**
पठन- बोध: (गद्य)	**35**
पठन- बोध: (कविता)	**25**
अपठित गद्यांश	**5**
अपठित काव्यांश	**5**
लेखन कौशल	**20**
व्याकरण तथा व्यवहारिक भाषा प्रयोग	**10**
कुल योग	**100**